IIM के कार्यक्रम में टेक महिंद्रा के सीईओ सीपी गुरनानी बोले-

समस्या समझें, फिर तकनीक यूज कर बदलें अपना बिजनेस मॉडल

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम रायपुर की ओर से डिजिटल इकोनॉमी पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और 14वां आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। बिल्डिंग न्यू डिजिटल इकोसिस्टम पर रखे गए कार्यक्रम में चीफ गेस्ट टेक महिंद्रा के सीईओ और प्रबंध निदेशक सीपी गुरनानी ने डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने समस्या और उसके समाधान के लिए थ्री-लेग्ड अप्रोच के बारे में बताया - जिसमें पहला है समस्या को समझना, दूसरा उपलब्ध तकनीकी समाधानों को ध्यान में रखना और तीसरा कॉम्पिटीशन में आगे रहने के लिए सीखने और डिजिटल इकोसिस्टम अपनाने के लिए बिजनेस मॉडल में जरूरी बदलाव करना। उन्होंने कहा कि बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए सोच और आंत्रप्रेन्योरशिप ही एक महत्वपूर्ण कड़ी है। ये बदलाव करने का सही समय है। आईआईएम नागपुर के निदेशक प्रो. भीमराय मेत्री ने बताया कि हमें आज की दुनिया में संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है और सबसे

इकट्ठा न करें हर तरह का डाटा

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो टोबियास शोएनिहर ने कहा कि ईआरपी (इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) के विकास ने पिछले दो दशकों में डिजिटल परिवर्तन को प्रेरित किया है। उन्होंने कंपनियों को कुछ भी और सब कुछ डाटा इकट्ठा नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें मौजूदा ईआरपी इंफ्रास्ट्रक्चर की यथास्थिति को अपनाने और इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की जरूरत है।

जरूरी है कि हमारा कार्यबल आजीवन सीखने के आदर्श का पालन करे। इस दौरान 15 सब्जेक्ट के पेपर प्रजेंटेशन भी हुए। कार्यक्रम में आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो भारत भास्कर, नॉटिंघम निंगबो विवि, चीन के प्रोफेसर जी यू, प्रो. सुमीत गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

Dainik Bhaskar, 29th Dec 2020, p. 07 (City Bhaskar).jpg